भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
18.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 3823 का उत्तर

उत्तर केरल के लिए नई रेलगाड़ी सेवाएं

3823. श्री शफी परम्बिल:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि उत्तर केरल से होकर गुजरने वाली रेलगाड़ियों में हमेशा भीड़-भाड़ रहती है और भीड़-भाड़ वाले डिब्बों में कष्टदायक अनुभवों के कारण यात्रियों को अक्सर डिब्बे से नीचे उतरना पड़ता है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार की मौजूदा रेलगाड़ियों में डिब्बों की संख्या में वृद्धि करने तथा उत्तर केरल में और अधिक रेलगाड़ियों की सेवाएं प्रदान करने की कोई योजना है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): भारतीय रेल में आरक्षित स्थान का मांग का स्वरूप पूरे वर्ष में एकसमान नहीं रहता और यह कम व्यस्त और व्यस्त अवधियों के दौरान बदलता रहता है। इसके अलावा,

लोकप्रिय और सुविधाजनक समय पर चलने वाली गाड़ियां सामान्यतः अधिक लोकप्रिय होती हैं। बहरहाल, यात्रियों की संख्या के राज्यवार आंकडें नहीं रखें जाते हैं।

चूंकि रेल नेटवर्क राज्य की सीमाओं के आर-पार फैला होता है, इसलिए नेटवर्क की आवश्यकता के अनुसार ऐसी सीमाओं के आर-पार गाड़ियां चलाई जाती हैं। बहरहाल, वित्त वर्ष 2023-24 और 2024-25 (31.10.2024 तक) के दौरान, केरल राज्य में स्थित स्टेशनों से प्रारंभिक/अंतिम आधार पर 04 वंदे भारत एक्सप्रेस सहित 10 रेलगाड़ी सेवाएं शुरू की गई हैं।

यात्रा करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त सीट प्रदान करने के अपने निरंतर प्रयास में, भारतीय रेल विभिन्न प्रकार की नियमित गाड़ियों के अलावा, यात्रियों की अतिरिक्त आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए त्योहारों, छुट्टियों आदि के दौरान स्पेशल गाड़ी सेवाएं भी चलाती है। तदनुसार, वर्ष 2024 में, होली और गर्मी की छुट्टियों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को संभालने के लिए स्पेशल गाड़ियों के 13523 फेरे परिचालित किए गए थे। दुर्गा पूजा/दीपावली/छठ के दौरान भीड़ को संभालने के लिए, लगभग 1.8 करोड़ यात्रियों को सेवित करने के लिए 01 अक्टूबर, 2024 से 30 नवम्बर, 2024 की अवधि के दौरान स्पेशल गाड़ियों के 7990 फेरे परिचालित किए गए। भारतीय रेल विभिन्न श्रेणियों के यात्रियों को अतिरिक्त सीट उपलब्ध कराने के लिए स्थायी और अस्थायी, दोनों आधार पर गाड़ियों में सवारी डिब्बों की संख्या भी बढ़ाती है।

वर्ष 2023-24 के दौरान, 872 सवारी डिब्बों और वर्ष 2024-25 के दौरान (नवम्बर, 2024 तक) स्थायी आधार पर गाड़ियों की संख्या बढ़ाने के लिए 774 सवारी डिब्बों का इस्तेमाल किया गया। बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रेल ने सामान्य श्रेणी और शयनयान श्रेणी के सवारी डिब्बों सहित 10,000 गैर-वातानुकूलित सवारी डिब्बों के विनिर्माण की योजना बनाई है।

इसके अलावा, मौजूदा रेलगाड़ियों के भार का संवर्धन, नई गाड़ी सेवाओं को शुरू करना आदि भारतीय रेल में एक सतत प्रक्रिया है जो परिचालनिक व्ययवहार्यता, यातायात औचित्य, संसाधनों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन है।

अधिक रेलगाड़ियां चलाने के लिए केरल में स्थित मौजूदा रेल नेटवर्क की क्षमता को बढ़ाने की आवश्यकता है। क्षमता बढ़ाने के लिए रेलवे ने केरल से आंशिक/पूर्ण रूप से गुजरने वाली कई परियोजनाएं शुरू की हैं।

केरल राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार हैः-

अवधि	परिव्यय
2009-14	372 करोड़ रु./वर्ष
2024-25	3,011 करोड़ रु. (8 गुना से अधिक)

बहरहाल, केरल राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण रुका हुआ है। केरल राज्य में भूमि अधिग्रहण की स्थिति निम्नानुसार है:

केरल में परियोजनाओं के लिए आवश्यक कुल भूमि	475 हेक्टेयर
अधिगृहीत की गई भूमि	64 हेक्टेयर (13%)
अधिगृहीत की जाने वाली शेष भूमि	411 हेक्टेयर (87%)

भारत सरकार परियोजनाओं को निष्पादित करने के लिए तैयार है, हालांकि इनका पूरा होना केरल सरकार के सहयोग पर निर्भर करता है। रेलवे ने भूमि अधिग्रहण के लिए केरल राज्य

सरकार को 2111.83 करोड़ रु. जमा करा दिए हैं। भूमि अधिग्रहण कार्य में तेजी लाने के लिए केरल सरकार के सहयोग की आवश्यकता है।

*****